श्री शनिदेव आरती | shree Shanidev Aarti lyrics

जय जय शनि देव महाराज,

जन के संकट हरने वाले ||

तुम सूर्य पुत्र बलिधारी,

भय मानत दुनिया सारी ,

साधत हो दुर्लभ काज |

तुम धर्मराज के भाई,

जब क्रूरता पाई ,

घन गर्जन करते आवाज |

जय जय शनि देव महाराज....*1

तुम नील देव विकराली,

है साँप पर करत सवारी ,

कर लोह गदा रह साज |

जय जय शनि देव महाराज..*1

तुम भूपति रंक बनाओ,

निर्धन स्रछंद्र घर आयो ,

सब रत हो करन ममताज |

जय जय शनि देव महाराज...*1

राजा को राज मितयो,

निज भक्त फेर दिवायो ,

जगत में हो गयी जय जयकार |

जय जय शनि देव महाराज....*1

तुम हो स्वामी हम चरणं,

सिर करत नमामी जी ,

पूर्ण हो जन जन की आस |

जय जय शनि देव महाराज.....*1

जहाँ पूजा देव तिहारी,

करें दीन भाव ते पारी ,

अंगीकृत करो कृपाल |

जय जय शनि देव महाराज....*1

कब सुधि दृष्टि निहरो

छमीये अपराध हमारो ,

है हाथ तिहारे लाज |

जय जय शनि देव महाराज....*1

हम बहुत विपत्ति घबराए,

शरणागत तुम्हरी आये ,

प्रभु सिद्ध करो सब काज |

जय जय शनि देव महाराज..*1

यहाँ विनय करे कर जोर के,

भक्त सुनावे जी ,

तुम देवन के सिरताज |

जय जय शनि देव महाराज....*1

जय जय शनि देव महाराज,

जन के संकट हरने वाले ।